॥ ॐ ॥
वंदे गौ मातरम्

विश्वमंगल गो-ग्राम यात्रा समारोह

'चले गांव की ओर, चले प्रकृति की ओर, चले गाय की ओर'

॥ निमंत्रण ॥

विश्वमंगल गौ ग्राम यात्रा समारोह समिती, नागपूर महानगर

पू. संत मार्गदर्शक

स्वामिनी ब्रम्हप्रकाशानंदा जी, श्री माधवदास ममतानी जी, श्री दास नारायण महाराज जी, श्री सदानंद महाराज जी, श्री सूर्यरत्न वाराई महाराज जी, श्री ईश्वर महाराज, सदगुरुदास महाराज जी, श्री सदाशिव मोहाडीकर महाराज जी, श्री रामकृष्ण पौनिकर महाराज जी, श्री चंद्रशेखर वऱ्हाडपांडे जी, भंते रावजी पिंडक, आर्य पहिलराम जी, भाई लक्ष्मणराम जी, श्री श्री १००८ महामंडलेश्वर माधवदासजी महाराज, प.पू. निर्मलानंदजी महाराज, पू.माताश्री रेवानंद गिरीजी

मार्गदर्शक

श्री बी. सी. भरतीया, श्री. विनोद मोहता, श्री पिरुभाई करिया, श्री हजारीलाल अग्रवाल, श्री गिरीधर खुंगर, श्री राम हरकरे, डॉ. दिलीप गुप्ता, श्री सत्यनारायणजी नुवाल, श्री श्रीकृष्ण व्यास, श्री मुरलीधर डेंबले, श्री यशपाल आर्य, श्री नामदेव फटींग, श्री प्रेमप्रकाश दुबे, श्री नरेंद्र खंते, सौ. मंजु जैन, सौ. सारिका पेंडसे, सौ. मायाताई इवनाते, सौ. अर्चना डेहनकर (महापौर)

भव्य प्रदर्शनी गोसंपदा

पर्यावरण | रोजगार | विज्ञान | कृषी | स्वास्थ्य

१४ जनवरी से १७ जनवरी २०१० - रेशीमबाग

• सौजन्य : गोरक्षण सभा धंतोली, नागपुर •

व्यवस्थापन समिती : महाव्यवस्थापन प्रमुख - श्रीकांत आगलावे
सहप्रमुख - विलास त्रिवेद
प्रदर्शनी विभाग : श्री रवि देशमुख, श्री सनत गुप्ता, श्री सुरेश हवले, श्री हरिष हरकरे
अतिथी व्यवस्था : श्री अविनाश बडगे, श्री विजय कैथे
स्वागत विभाग : श्री सुधीर दफ्तरी, श्री विजय गिरडकर
रचना विभाग : श्री माधव उराडे
बैठक विभाग : श्री आशिष फुटाणे, श्री मुकुल थिमोरे, श्री प्रदिप काटेकर, श्री विठ्ठल सरोदे
विद्युत ध्वनी : श्री प्रमोद पेंडके,श्री भोलानाथ साहारे
मंच सज्जा : श्री मोहन गंगवानी, श्री नाना रिसाड
रक्षण विभाग : श्री निलेश टेकाडे, श्री मोटु डिकोंडवार
सांस्कृतिक कार्यक्रम : श्री चंद्रकांत घरोटे, श्री अमर कुळकर्णी
जल स्वच्छता : श्री जितु ठाकुर, श्री कैलाश चुटे
यातायात विभाग : श्री प्रशांत दाणी, श्री अतुल मोहरील
वैद्यकिय विभाग : डॉ. सुभाष राऊत, डॉ. गोपाल मोहता, डॉ. गोविंद पोद्दार
यात्रा स्वागत व श्री सुबोध आचार्य, श्री संजय बंगाले, श्री विवेक तरासे
महिला विभाग : सौ. विशाखा मोहोड, सौ. वृषाली शिलेदार, डॉ. गीता सिंग
प्रसाद वितरण : श्री अनिल सांबरे
भोजन विभाग : श्री उदय जोशी, श्री प्रविण उपासनी
प्रचार विभाग : प्रा. अजय पत्की
कार्यालय प्रमुख : श्री एकनाथ खरे

क्षेत्र/प्रांत संयोजक बैठक दि.१८, १९ जनवरी २०१० — श्री अविनाश पाठेकर, श्री अविनाश (बंडू) देशपांडे, श्री रमेश पसारी

ॐ

"गांव भारत की आत्मा और कृषक उसकी ज्योति हैं। इसके प्राण हैं गाय। यंत्रों और रासायनिक खादों पर अत्यधिक निर्भरता के चलते भोजन विषाक्त और भूमि बंजर हो रही है। अन्नदाता किसान आज आत्महत्या के लिए विवश है तथा युवा किसान शहरों की ओर पलायन कर रहा है। गो–आधारित कृषि जीवन की ओर लौटना ही इस समस्या का एकमात्र निदान है। विश्व मंगल गो ग्राम यात्रा इस दिशा में एक सकारात्मक पहल है और देश के आध्यात्मिक नेतृत्व द्वारा गाय, प्रकृति और गांव के संरक्षण और संवर्धन के माध्यम से भारत के जागरण का यह आवाहन है। संरक्षित गो–वंश समृद्ध गांव और समर्थ भारत ही विश्व मंगल का आधार है।"

कार्यक्रम में आमंत्रित मार्गदर्शक संतप्रवर

प.पू. बाबा रामदेवजी महाराज
प.पू. श्री श्री रविशंकर गुरुजी
प.पू. शंकराचार्य श्री राघवेश्वर भारतीजी महाराज
प.पू. शंकराचार्य श्री नृसिंह सरस्वतीजी महाराज
प.पू. दयानंदजी सरस्वती
प.पू. सरसंघचालक डॉ. मोहनजी भागवत
प.पू. सहदेवदासजी (इस्कॉन)
प.पू. राहुल बोधिजी महाराज
प.पू. भन्ते ज्ञान जगतजी
मौलाना बशीर कादरी
इमाम हाजी तैय्यब कुरेशी
प.पू. श्रीधर महाराज पंचगव्हाणकर
प.पू. जितेंद्रनाथ महाराज
प.पू. श्रीरामपंत जोशी
प.पू. नारायण महाराज शिंदे
आदरणीय प्रवीणा बहनजी गीताई मिशन सर्वोदय परिवार

॥ वंदे गौ मातरम् ॥

श्रद्धेय स्वजन,

हम सब पूर्णतः परिचित ही हैं कि विश्व मंगल गौ ग्राम यात्रा का शुभारंभ 30 सितंबर 2009 को विजयादशमी के पावन अवसर पर धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से हुआ। यात्रा ने लगभग 20,000 कि.मी. का मार्ग तय करते हुए संपूर्ण भारत के महत्वपूर्ण भागों को स्पर्श किया एवं 'चले गांव की ओर, चले प्रकृति की ओर, चले गाय की ओर' का शाश्वत संदेश करोड़ों परिवार एवं लाखों गावों तक पहुँचाया।

यात्रा का समापन कार्यक्रम नागपुर में होना निश्चित हुआ है। कार्यक्रम में पूज्य संत, यात्रा के विषय से जुड़े एवं अपने अपने क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करनेवाले विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यक्रम में बंधु–बांधवों, इष्ट मित्रों एवं स्नेही–जनों के साथ परिवार सहित पधारकर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें यह अनुरोध है।

कार्यक्रम
माघ शुक्ल द्वितीया
(वि.स. 2066)
रविवार 17 जनवरी 2010
अपरान्ह 4.30 बजे
स्थान :
रेशीमबाग प्रांगण, नागपुर

विनीत

डॉ. प्रणव पण्ड्या (गौरवाध्यक्ष)
डॉ. एच. आर. नागेंद्र (कार्याध्यक्ष)
श्री बालकृष्ण भरतिया (अध्यक्ष, विदर्भ प्रांत)
श्री विनोद नोहता (कार्याध्यक्ष, विदर्भ प्रांत)

एवं स्वागत समिति के सभी पदाधिकारी तथा सदस्यगण